भारत – लेसोथो संबंध

राजनयिक प्रतिनिधित्व

वर्ष 1996 से प्रिटोरिया स्थित भारतीय उच्चायोग को समवर्ती रूप से लेसोथो की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले, बोत्स्वाना स्थित भारतीय उच्चायोग को लेसोथो की समवर्ती रूप से जिम्मेदारी सौंपी जाती थी। अगस्त, 2003 में, प्रधानमंत्री मोसीसिली की भारत यात्रा के बाद लेसोथो ने वर्ष 2005 में नई दिल्ली में अपना एक रेजीडेंट मिशन खोला। मार्च, 2014 में लेसोथो में भारत के मानद कांसुल की घोषणा की गई।

उच्चायुक्त श्रीमती रूचि घनश्याम ने 9 जुलाई 2015 को लेसोथो के किंग लेटसी III को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया।

यात्राएं

लेसोथो के प्रधानमंत्री डा. पकलिथा मोसिसिली के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया तथा उनके साथ विदेश मंत्री श्री टलोहंग शेखमाने तथा व्यापार मंत्री श्री जोशुआ सेटिपा भी आए थे। प्रधानमंत्री मोसिसिली ने 28 अक्टूबर 2015 को शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

माननीय संस्कृति, पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और नागर विमानन राज्य मंत्री डा. महेश शर्मा ने लेसोथो सरकार के नेतृत्व को तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए निमंत्रण देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 9 जुलाई 2015 को लेसोथो का दौरा किया। यात्रा के दौरान, मंत्री महोदय ने लेसोथो के प्रधानमंत्री डा. पाकलिथा बेथुएल तथा विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध मंत्री श्री टलोहैंग सेखमाने के साथ बैठक की।

एक उच्च स्तरीय कारोबारी शिष्टमंडल ने लेसोथो के प्रधानमंत्री डा. मोत्सोएहे थॉमस थाबेन के नेतृत्व में साझेदार देश के रूप में मार्च, 2014 में नई दिल्ली में आयोजित दसवीं सी आई आई एक्जिम बैंक अफ्रीका गोष्ठी में भाग लिया।

राजनीतिक स्तर पर यात्राओं का पहला आदान – प्रदान अगस्त, 2003 में प्रधानमंत्री मोसीसिली की भारत की बहुत ही सफल यात्रा थी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बातचीत में प्राथमिकता के रूप में सहयोग के जिन क्षेत्रों की पहचान की गई उनमें रोजगार सृजन, कृषि विकास, शिक्षा, पर्यटन तथा अवसंरचना का उन्नयन शामिल था जिनमें भारत दक्षिण – दक्षिण सहयोग की भावना ने मानव संसाधन विकास के साथ ही उच्च प्रौद्योगिकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में अपने अनुभवों को साझा करने के लिए सहमत हुआ। लघु उद्योग क्षेत्र में विनिर्माण की यूनिटें स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण एवं उपकरण की आपूर्ति के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए भारत सहमत हुआ। यात्रा के बाद, जो संयुक्त घोषणा जारी की

गई उसमें लेसोथो द्वारा जम्मू एवं कश्मीर को भारत का अभिन्न माना गया तथा लेसोथो ने द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से भारत एवं पाकिस्तान के बीच मतभेदों के समाधान का समर्थन किया। यात्रा के दौरान, दोनों पक्ष एक द्विपक्षीय संयुक्त आयोग का गठन करने पर सहमत हुए।

संयुक्त आयोग :

संयुक्त आयोग स्थापित करने के लिए करार पर हस्ताक्षर मार्च, 2004 में हुआ। भारत – लेसोथो संयुक्त आयोग की पहली बैठक मार्च, 2009 में नई दिल्ली में हुई। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व संयुक्त सचिव (ई एंड एस ए) श्री अशोक तोमर द्वारा किया गया जबकि लेसोथो के शिष्टमंडल का नेतृत्व विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय संबद्ध मंत्रालय में प्रधान सचिव श्री टेबेलोमेत्सिंग द्वारा किया गया।

सहयोग के लिए भारत – लेसोथो संयुक्त द्विपक्षीय आयोग की दूसरी बैठक सितंबर, 2013 में मसेरू में हुई। तीन सदस्यीय भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व अपर सचिव (ई एंड एसए) श्री रवि बांगड़ द्वारा किया गया, जबकि लेसोथो के शिष्टमंडल का नेतृत्व विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय संबद्ध मंत्रालय में प्रधान सचिव श्री जे टी मेत्सिंग द्वारा किया गया। दोनों पक्षों ने साझे हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

रक्षा

वर्ष 2001 से मसेरू में भारतीय सेना प्रशिक्षण टीम की मौजूदगी के अलावा, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा समय – समय पर यात्राएं होती रही हैं। थल सेना के उप प्रमुख ले. जनरल जे बी एस यादव ने फरवरी, 2004 में लेसोथो का दौरा किया। मेजर जनरल आरपीएस मल्हान ने सितंबर, 2006 में लेसोथो का दौरा किया। ले. जनरल सुशील गुप्ता, डी सी ओ ए एस ने मार्च, 2007 में मसेरू में आई ए टी टी का दौरा किया। ले. जनरल एस पी एस ढिल्लों, डी सी ओ ए एस के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने मार्च, 2009 में आई ए टी टी का दौरा किया। ले. जनरल वी एस टोंक, डी सी ओ ए एस (आई एस एंड टी) के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने जुलाई, 2011 में आई ए टी टी का दौरा किया। भारतीय थल सेना के डिप्टी चीफ जे पी नेहरा ने 17 से 19 जुलाई, 2014 के दौरान लेसोथो का दौरा किया।

लेसोथो रक्षा बल (एल डी एफ) के अनेक अधिकारियों ने भारतीय रक्षा प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ले. जनरल ईटी मोटांएने, कमांडर, एल डी एफ ने अक्टूबर, 2007 में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भारत का दौरा किया। श्री मोशोएशोए डेविड सेहलाहो, प्रधान सचिव, रक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा, लेसोथो ने अगस्त, 2013 के दौरान नई दिल्ली का दौरा

किया तथा भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून का दौरा करने के अलावा रक्षा सचिव एवं आर्मी स्टाफ के डिप्टी चीफ से मुलाकात की।

करार / एम ओ यू

सचिव, लघु, कृषि एवं ग्रामीण उद्योग श्री बी एम मिन्हास ने सितंबर, 2004 में मसेरू का दौरा किया तथा लघु उद्योगों के संवर्धन एवं विकास के लिए एक अंतर सरकारी एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया।

अक्टूबर, 2004 में, लेसोथो के एक शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया जिसमें विदेश मंत्री एवं कृषि मंत्री शामिल थे। भारत की ओर से तत्कालीन राज्य मंत्री (आर आई एस) श्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा शिष्टमंडल स्तरीय बातचीत का नेतृत्व किया गया। चर्चा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों पर बातचीत हुई। इसके अलावा, कृषि सचिव के साथ भी बैठक हुई। लेसोथो के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान 5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के लिए जो वादा किया गया था उसकी विस्तृत शर्तों एवं निबंधनों को रेखांकित करने वाले करार पर यात्रा के दौरान लेसोथो सरकार तथा भारत के आयात – निर्यात बैंक द्वारा हस्ताक्षर किया गया। भारत से कृषि उपकरण की खरीद के लिए लेसोथो को 5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता मंजूर की गई।

लेसोथो के विदेश मंत्री ने मार्च, 2010 में भारत का दौरा किया तथा इस यात्रा के दौरान लेसोथो में व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों को स्थापित करने के लिए 4.7 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया गया।

ग्रामीण विकास के लिए द्विपक्षीय एम ओ यू पर हस्ताक्षर जुलाई, 2011 में हुआ। ग्रामीण विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री नितिन चंद्र ने इस एम ओ यू के कार्यान्वयन के सिलसिले में नवंबर, 2011 में लेसोथो का दौरा किया।

अन्य क्षेत्रों में भारतीय सहायता

अक्टूबर 2014 में, भारत सरकार और किंगडम ऑफ लेसोथो द्वारा हस्ताक्षरित एक त्रिपक्षीय करार के तहत कम आय तथा खाद्यान्न की कमी वाले देशों में खाद्य सुरक्षा के लिए एफ ए ओ के विशेष कार्यक्रम के तहत लेसोथो में चार भारतीय कृषि विशेषज्ञों / तकनीशियनों को प्रतिनियुक्त किया गया। जनवरी 2004 में, इसके बाद, सिंचाई के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने के लिए लेसोथो कृषि महाविद्यालय के निदेशक को सलाह देने एवं सहायता प्रदान करने के लिए एक भारतीय विशेषज्ञ को प्रतिनियुक्त किया गया।

जनवरी 2004 में, प्रधानमंत्री के स्तर पर यात्रा के दौरान संविदाओं के अनुसरण में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एन एस आई सी) तथा बसोथो उद्यम विकास निगम (बी ई डी सी ओ) ने लेसोथो में लघु उद्योग के विकास के लिए परस्पर सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर

हस्ताक्षर किया। इसके तहत लेसोथो में लघु उद्योगों की प्रगति एवं विकास की संपोषणीयता, भारत से लेसोथो को प्रौद्योगिकी के अंतरण में सुगमता, लेसोथो में लघु उद्योगों की कौशल एवं प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सामान्य सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने में सहायता तथा लेसोथो में भारतीय निवेश एवं औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योग दर उद्योग संपर्क को सुगम बनाने के लिए बी ई डी सी ओ की क्षमता को सुदृढ़ करने की परिकल्पना है। भारत के कपड़ा मंत्रालय ने कपड़ा क्षेत्र में लेसोथो की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों का एक दल भेजा।

भारत द्वारा लेरोथोली पॉलिटेक्निक में भारत - लेसोथो उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। भारत सरकार 86.99 मिलियन रूपए का एक बारगी अनुदान प्रदान करने के लिए सहमत हुई है (उपकरण एवं प्रशिक्षण के लिए 38.32 मिलियन रूपए तथा नए भवन के निर्माण के लिए 48.67 मिलियन रूपए)। भवन के निर्माण का कार्य चल रहा है तथा लगभग पूरा हो गया है और स्थाई परिसर से केंद्र ने काम करना शुरू कर दिया है।

मैसर्स टीसीआईएल द्वारा लेसोथो में एक अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना भी स्थापित की गई है जिसके तहत वी वी आई पी संचार, टेली-मेडिसीन एवं टेली-एजुकेशन शामिल हैं।

लेसोथो के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग से दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने 29 से 31 जनवरी 2015 के दौरान लेसोथो का दौरा किया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग :

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार क्षमता से बहुत ही कम है। लेसोथो से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से ऊन, परिधान तथा कपड़ा एवं साजो-सामान शामिल हैं, जबकि भारत की ओर से निर्यात की मुख्य वस्तुओं में भेषज पदार्थ, कॉटन, मशीनरी शामिल हैं। हाल के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं :

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - सितंबर)
भारत का निर्यात	18.64	21.20	18.10	31.01	38.22	18.08
भारत का आयात	1.13	3.15	4.26	2.51	1.38	4.24
कुल व्यापार	19.77	24.35	22.36	33.52	39.60	22.32

स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार।

अप्रैल, 2008 में, नई दिल्ली में भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित ड्यूटी फ्री तरजीही व्यापार (डी एफ टी पी) स्कीम की पेशकश की गई है तथा लेसोथो सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिया गया है।

आई टी ई सी / आई सी सी आर :

वित्त वर्ष 2014-15 में, आई टी ई सी के तहत लेसोथो को 70 स्लाट आवंटित किए गए थे जिसमें से 49 स्लाटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2015-16 के लिए कुल 60 आई टी ई सी स्लॉट आबंटित किए गए हैं, जिनमें से अब तक 21 स्लॉटों का उपयोग कर लिया गया है।

वर्ष 2014-15 के लिए आई सी सी आर द्वारा अफ्रीका छात्रवृत्ति स्कीम के तहत लेसोथो के लिए 18 छात्रवृत्ति स्लाट आवंटित किए गए तथा सभी 18 स्लॉटों का उपयोग कर लिया गया। वर्ष 2015-16 के लिए आई सी सी आर द्वारा लेसोथो के लिए कुल 18 स्लाटों की पेशकश की गई है, जिनमें से अब तक 18 स्लॉटों का उपयोग कर लिया गया है।

लेसोथो में हमारे अवैतनिक कांसुल तथा इंडियन एसोसिएशन ऑफ लेसोथो की मदद से मसेरू (लेसोथो की राजधानी) में 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

भारतीय समुदाय :

लेसोथो में तकरीबन 1500 भारतीय प्रवासी तथा पी आई ओ हैं जो शिक्षक, लेखाकार तथा अन्य पेशेवर के रूप में काम कर रहे हैं। उनमें से कुछ कारोबार में भी शामिल हैं। भारतीय समुदाय की देश में आर्थिक प्रोफाइल तर्कसंगत रूप में ऊंची है। एक भारतीय संघ है जो सामयिक त्यौहारों का आयोजन करता है तथा समय – समय पर आई सी सी आर द्वारा भेजी गई मंडलियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में खुलकर भाग लेता है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायुक्त, प्रिटोरिया की वेबसाइट :
http://indiainsouthafrica.com/
भारतीय उच्चायोग,प्रिटोरिया का फेसबुक :
www.facebook.com/indiainsouthafrica
भारतीय उच्चायोग, प्रिटोरिया ट्विटर :
https://twitter.com/hci_pretoria

***

जनवरी, 2016